हिन्दुस्त

एलएलबी इंटीग्रेटेड, अप्लाइड जियोलॉजी में सीटें आवंटित

एलयू

- अभ्यर्थी लॉगिन आईडी के जरिए देख सकते परिणाम
- चार अगस्त रात 12 बजे तक जमा होगा सीट शुल्क

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2025-26 प्रवेश प्रक्रिया के तहत एलएलबी पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड और एमएससी अप्लाइड जियोलॉजी पाठ्यक्रम का पहला सीट आवंटन शुक्रवार को जारी कर दिया गया है। जिसे अभ्यर्थी अपने लॉगिन आईडी के जरिए देख सकते हैं। इस संबंध में प्रवेश समन्वयक की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं।

प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर अनित्य गौरव का कहना है कि प्रथम सीट आवंटन मेरिट के अनुसार घोषित कर दिया गया है। जिसे अभ्यर्थी एक अगस्त की शाम पांच बजे के बाद अपने लॉगिन की मदद से देख सकेंगे। प्रवेश समन्वयक ने बताया कि अभ्यर्थी ऑनलाइन सीट कन्फर्मेशन शुल्क चार अगस्त रात 12 बजे तक जमा कर दें।

सात पाठ्यक्रमों में दूसरा आवंटन आज: प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर अनित्य गौरव का कहना है कि डीफार्मा, बीकॉम ऑनर्स, बीकॉम एनईपी, बीएससी कृषि, बीसीए, बीबीए और बीवोक पाठ्यक्रम का दूसरा सीट आवंटन मेरिट के अनुसार शनिवार को जारी किया जाएगा। जिसे अभ्यर्थी दो अगस्त को दोपहर 12 बजे के बाद अपने लॉगिन की मदद से देख सकेंगे। प्रवेश समन्वयक ने बताया कि अभ्यर्थी ऑनलाइन सीट कन्फर्मेशन शुल्क चार अगस्त की रात 12 बजे तक जमा कर सकते हैं।

केएमसी में पीएचडी प्रवेश परीक्षा परिणाम पांच को

केएमसी भाषा विवि में पीएचडी प्रवेश परीक्षा में शुक्रवार को 84 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। रिसर्च इंट्रेंस टेस्ट के लिए पंजीकृत 192 में से करीब 162 अभ्यर्थी शामिल रहे। एपीजे अब्दुल कलाम शैक्षणिक भवन में परीक्षा में कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने औचक निरीक्षण किया। पीएचडी समन्वयक प्रोफेसर चंदना डे ने बताया कि परीक्षा की प्रोविजनल उत्तर कुंजी दो अगस्त को विवि की वेबसाइट www.kmclu.ac.in पर अपलोड होगी। रिसर्च इंट्रेंस टेस्ट का परिणाम पांच अगस्त को आएगा।

सात कोर्स का दस्तावेज सत्यापन आज: एलयू में स्नातक स्तर के सात पाठ्यक्रमों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन शनिवार को होगा। इस संबंध में प्रवेश समन्वयक की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर अनित्य गौरव का कहना है कि बीबीए, बीबीए टूरिज्म, बीसीए, डीफार्मा, बीकॉम एनईपी, बीकॉम ऑनर्स और बीवोक रिन्यूबल एनर्जी पाठ्यक्रम में सत्यापन होगा।

भाषा विवि: काउंसिलिंग कल से

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए दो जुलाई से काउंसिलिंग शुरू होगी। अभ्यर्थियों को शैक्षिक प्रपत्रों और उनकी दो सेट छायाप्रति के साथ विवि पहुंचना होगा। काउंसिलिंग सुबह 10 बजे शुरू शाम 4 बजे तक होगी। प्रवेश समन्वयक डॉ. सौबान सईद ने बताया कि प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया सोमवार को समाप्त हो गई। काउंसिलिंग के लिए अधिसूचना जारी की गई है। (संवाद)

एलएलबी-एमबीए में सबसे अधिक आवेदन आए

भाषा विवि

लखनऊ, कासं। भाषा विश्वविद्यालय में आवेदन की अन्तिम तिथि 30 जून को समाप्त हो गई है। भाषा विश्वविद्यालय में मेरिट और प्रवेश परीक्षा दोनों माध्यमों से प्रवेश लिए जा रहे हैं। जिन कोर्स में प्रवेश परीक्षा निर्धारित है वो पांच जुलाई को होनी है।

विवि में प्रवेश के लिए सबसे ज्यादा छात्रों ने एमबीए, बैचलर ऑफ कम्पयूटर एप्लीकेशन, तीन वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम, पांच वर्षीय बीए एलएलबी, बीबीए, बैचलर ऑफ फार्मेसी बैचलर ऑफ कामर्स कोर्स में दिखायी है। सभी कोर्स में सीट संख्या से दोगुने आवेदन आए हैं। विवि को नैक बी ग्रेड मिलने के बाद प्रबंधन के साथ ही छात्रों में उत्साह है। नए छात्रों ने प्रवेश के लिए रुचि भी दिखायी है। विश्वविद्यालय सीयूईटी और सीधे प्रवेश दोनो ही माध्यमों से प्रवेश लिया जा रहा है। 2000 से अधिक आवेदन सीधे प्रवेश के लिए आ चुके हैं। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि शिक्षा में गुणात्मक सुधार की ओर कदम उठाए जा रहे हैं। सत्र 2025-26 के नव प्रवेशी छात्रों को समस्या न हो इसके लिए एडमिशन सेल को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

05 जुलाई को होगी कई कोर्सों की प्रवेश परीक्षा

छात्रों के पसंदीदा बने ये कोर्स, दोगुने आवेदन

कोर्स का नाम	संख्या	आवेदन
एमबीए	60	143
बीकॉम	60	102
बीएएलएलबी	60	127
एलएलबी	60	136
बीफार्मा-	60	101

यूजी-पीजी प्रवेश के लिए दो जुलाई से काउंसलिंग

लखनऊ। भाषा विवि में शैक्षिक सत्र 2025-26 प्रवेश प्रक्रिया के तहत स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए दो जुलाई से काउंसलिंग होगी। आवेदन करने वाले सभी अभ्यर्थियों को अपने शैक्षिक प्रपत्रों और उसकी दो सेट छायाप्रति के साथ विश्वविद्यालय पहुंचना होगा। काउंसलिंग सुबह 10 बजे से शुरू होकर शाम चार बजे तक होगी। प्रवेश समन्वयक डॉ. सौबान सईद ने बताया कि प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया सोमवार को समाप्त हो गई है। जिसके बाद काउंसलिंग सूचना जारी की गई है।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 1 जुलाई को डॉक्टर दिवस का आयोजन

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (के. एम. सी. एल.यू.), लखनऊ के फार्मेसी संकाय द्वारा डॉक्टर दिवस का आयोजन आगामी 1 जुलाई 2025 को किया जाएगा। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में प्रात: 11 बजे से आरंभ होगा। माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा (मुख्य संरक्षक) के मार्गदर्शन में तथा प्रो. शालिनी त्रिपाठी, निदेशक, फार्मेसी संकाय (आयोजक) के संयोजन में यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर सम्मान समारोह और हेल्थ कैंप का आयोजन किया जाएगा, जिसमें

चिकित्सकों के योगदान को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की थीम उस प्रसिद्ध कथन को सार्थक करती है जहाँ चिकित्सा कला से प्रेम होता है, वहाँ मानवता से भी प्रेम होता है। विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं से इस आयोजन में सहभागी बनने का आह्वान किया गया है।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 1 जुलाई को डॉक्टर दिवस का आयोजन

लखनऊ ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (के.एम.सी.एल.यू.), लखनऊ के फार्मेसी संकाय द्वारा डॉक्टर दिवस का आयोजन आगामी 1 जुलाई 2025 को किया जाएगा। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में प्रातः 11ः00 बजे से आरंभ होगा। माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा (मुख्य संरक्षक) के मार्गदर्शन में तथा प्रो. शालिनी त्रिपाठी, निदेशक, फार्मेसी संकाय (आयोजक) के संयोजन में यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर सम्मान समारोह और हेल्थ कैंप का आयोजन किया जाएगा, जिसमें चिकित्सकों के योगदान को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की थीम उस प्रसिद्ध कथन को सार्थक करती है – ÷जहाँ चिकित्सा कला से प्रेम होता है, वहाँ मानवता से भी प्रेम होता है।÷विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं से इस आयोजन में सहभागी बनने का आह्वान किया गया है।

जागरण सिटी लखनऊ

लखनऊ, 2 जुलाई, 2025 दैनिक जागरण

भाषा विश्वविद्यालय ने जारी किया परीक्षा परिणाम

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने मंगलवार को स्नातक के सात पाठ्यक्रमों के छठे सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए हैं। इनमें बी.ए इतिहास, बी.ए गृह विज्ञान, बी.एससी जूलाजी, बी.एससी बायोटेक्नोलाजी, बी.एससी माइक्रोबायोलाजी, बी.एससी रसायन विज्ञान और बी.एससी गणित शामिल हैं। छात्र-छात्राएं अपने परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.kmclu.ac.in पर देख सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे डा. महेश कुमार ने बताया कि यदि किसी विद्यार्थी को अपने परिणाम में किसी प्रकार की त्रुटि दिखाई देती है, तो वह परीक्षा विभाग से संपर्क कर सकता है।

केएमसीएलयू : यूजी व पीजी की काउंसिलिंग कल से

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में स्नातक व परास्नातक कोर्सों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया सोमवार को समाप्त हो गई। इस बार कुल 1953 आवेदन आए हैं। इनमें प्रवेश के लिए पहले चरण की काउंसिलिंग दो जुलाई से शुरू होकर पांच जुलाई तक चलेगी।

प्रवेश समन्वयक डा. सौबान सईद ने बताया कि काउंसिलिंग के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को अपने शैक्षिक प्रपत्रों के और उनकी दो सेट छायाप्रति के साथ विश्वविद्यालय के द्वितीय तल स्थित शैक्षणिक भवन में आना है। काउंसिलिंग का समय सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक रहेगा। अभ्यर्थियों को कोई समस्या आने पर वह सम्बंधित विषय प्रभारी अथवा प्रवेश विभाग में संपर्क कर सकता है। जारी सूचना के अनुसार बीए अरेबिक, अंग्रेजी, इतिहास, बीए पत्रकारिता एवं जनसंचार, हिंदी, पालीटिकल साइंस, बीए फिजिकल एजुकेशन, बीए समाजशास्त्र, एमए अंग्रेजी, एमए इतिहास, एम.काम कामर्स, एमए भूगोल, एमए पत्रकारिता एवं जनसंचार, एमए शिक्षा शास्त्र, बी.एससी जूलाजी, बी.एससी माइक्रोबायोलाजी, बी.एससी कंप्यूटर साइंस आदि कोर्स शामिल हैं।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 1 जुलाई को डॉक्टर दिवस का आयोजन

लखनऊ ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (के.एम.सी.एल.यू.), लखनऊ के फार्मेसी संकाय द्वारा डॉक्टर दिवस का आयोजन आगामी 1 जुलाई 2025 को किया जाएगा। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में प्रातः 11:00 बजे से आरंभ होगा।माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा (मुख्य संरक्षक) के मार्गदर्शन में तथा प्रो. शालिनी त्रिपाठी, निदेशक, फार्मेसी संकाय (आयोजक) के संयोजन में यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर सम्मान समारोह और हेल्थ कैंप का आयोजन किया जाएगा, जिसमें चिकित्सकों के योगदान को सम्मानित किया जाएगा।कार्यक्रम की थीम उस प्रसिद्ध कथन को सार्थक करती है –जहाँ चिकित्सा कला से प्रेम होता है, वहाँ मानवता से भी प्रेम होता है।विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं से इस आयोजन में सहभागी बनने का आह्वान किया गया है।

लखनऊ, 1 जुलाई, 2025 दैनिक जागरण

केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में डाक्टर दिवस आज

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय की ओर से मंगलवार को डाक्टर दिवस का आयोजन किया जाएगा। प्रशासनिक भवन में सुबह 11 बजे से होने वाले इस आयोजन में हेल्थ कैंप भी लगाया जाएगा, जिसमें चिकित्सकों के योगदान को सम्मानित किया जाएगा। (जासं)

एलएलबी-एमबीए में सबसे अधिक आवेदन आए

भाषा विवि

लखनऊ, कासं। भाषा विश्वविद्यालय में आवेदन की अन्तिम तिथि 30 जून को समाप्त हो गई है। भाषा विश्वविद्यालय में मेरिट और प्रवेश परीक्षा दोनों माध्यमों से प्रवेश लिए जा रहे हैं। जिन कोर्स में प्रवेश परीक्षा निर्धारित है वो पांच जुलाई को होनी है।

विवि में प्रवेश के लिए सबसे ज्यादा छात्रों ने एमबीए, बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन, तीन वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम, पांच वर्षीय बीए एलएलबी, बीबीए, बैचलर ऑफ फार्मेसी बैचलर ऑफ कामर्स कोर्स में दिखायी है। सभी कोर्स में सीट संख्या से दोगुने आवेदन आए हैं। विवि को नैक बी ग्रेड मिलने के बाद प्रबंधन के साथ ही छात्रों में उत्साह है। नए छात्रों ने प्रवेश के लिए रुचि भी दिखायी है। विश्वविद्यालय सीयूईटी और सीधे प्रवेश दोनों ही माध्यमों से प्रवेश लिया जा रहा है। 2000 से अधिक आवेदन सीधे प्रवेश के लिए आ चुके हैं। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि शिक्षा में गुणात्मक सुधार की ओर कदम उठाए जा रहे हैं। सत्र 2025-26 के नव प्रवेशी छात्रों को समस्या न हो इसके लिए एडमिशन सेल को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

05 जुलाई को होगी कई कोर्सों की प्रवेश परीक्षा

छात्रों के पसंदीदा बने ये कोर्स, दोगुने आवेदन

कोर्स का नाम	संख्या	आवेदन
एमबीए	60	143
बीकॉम	60	102
बीएएलएलबी	60	127
एलएलबी	60	136
बीफार्मा-	60	101

यूजी-पीजी प्रवेश के लिए दो जुलाई से काउंसलिंग

लखनऊ। भाषा विवि मे शैक्षिक सत्र 2025-26 प्रवेश प्रक्रिया के तहत स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए दो जुलाई से काउंसलिंग होगी। आवेदन करने वाले सभी अभ्यर्थियो को अपने शैक्षिक प्रपत्रो और उसकी दो सेट छायाप्रति के साथ विश्वविद्यालय पहुंचना होगा। काउंसलिंग सुबह 10 बजे से शुरू होकर शाम चार बजे तक होगी। प्रवेश समन्वयक डॉ. सौबान सईद ने बताया कि प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया सोमवार को समाप्त हो गई है। जिसके बाद काउंसलिंग सूचना जारी की गई है।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 1 जुलाई को डॉक्टर दिवस का आयोजन

लखनऊ ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (के.एम.सी.एल.यू.), लखनऊ के फार्मेसी संकाय द्वारा डॉक्टर दिवस का आयोजन आगामी 1 जुलाई 2025 को किया जाएगा। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में प्रातः 11¬00 बजे से आरंभ होगा। माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा (मुख्य संरक्षक) के मार्गदर्शन में तथा प्रो. शालिनी त्रिपाठी, निदेशक, फार्मेसी संकाय (आयोजक) के संयोजन में यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर सम्मान समारोह और हेल्थ कैंप का आयोजन किया जाएगा, जिसमें चिकित्सकों के योगदान को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की थीम उस प्रसिद्ध कथन को सार्थक करती है – ÷जहाँ चिकित्सा कला से प्रेम होता है, वहाँ मानवता से भी प्रेम होता है।÷विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं से इस आयोजन में सहभागी बनने का आह्वान किया गया है।

हिन्दुस्तान
लखनऊ, शनिवार, 5 जुलाई 2025

भाषा विवि में पहला सेमेस्टर 26 से, विभागों में होंगे बड़े आयोजन

सत्र

लखनऊ, संवाददाता। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में पहले सेमेस्टर की प्रवेश प्रक्रिया 24 जुलाई तक पूरी होगी, 26 से शिक्षण कार्य आरंभ होना है। विवि के कुलसचिव डॉ. महेश कुमार की ओर से सत्र 2025-26 का शैक्षणिक कैलेंडर जारी कर दिया गया है। इसके अलावा अन्य कार्यक्रमों की सूची जारी की गई है। जिसके तहत विवि के हर विभाग को अब इवेंट्स कराने होंगे।

नए एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार पहले सेमेस्टर की कक्षाएं शुरू होने के साथ 26 से 30 जुलाई तक कक्षाओं के पूर्व या बाद एक हफ्ते का स्टूडेंट इंट्रोडक्शन प्रोग्राम चलाया जाएगा।

हर विभाग को कराने होंगे इवेंट्स

कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि हर साल एकेडमिक कैलेंडर जारी होता था, इस साल से हर विभाग को अनेक आयोजन कराने के लिए अलग से कार्यक्रम सूची जारी हुई है। इसके आयोजन के लिए विभागों को विवि की ओर से सीमित अनुदान भी मिलेगा।

31 विभागों को 43 दिवस और जयंती मनाना

कुलसचिव डॉ. महेश कुमार की ओर से जारी सूची के अनुसार शैक्षिक सत्र 2025-26 में 31 विभागों को 43 दिवस और जयंती मनाना है। अलग-अलग विभाग अलग-अलग दिवस या जयंती मनाएंगे। जैसे अरबी विभाग विश्व अरबी दिवस और हजरत अली का जन्मदिवस तो हिन्दी विभाग कबीर और रविदास जयंती का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि इसके अलावा हर विभाग को अलग से साल में एक अन्य बड़ा सेमिनार या कॉन्फ्रेंस आयोजित करना होगा।

26 से 30 जुलाई तक नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए कराया जाना है स्टूडेंट इंट्रोडक्शन प्रोग्राम

24 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी होगी

- साल की एक्टिविटी लिस्ट जारी
- विभागों को दिया जाएगा अनुदान

पहले सेमेस्टर का शेड्यूल

प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण	24 जुलाई तक
कक्षाओं का संचालन	26 जुलाई से
शिक्षण कार्य पूर्ण	एक नवंबर तक
प्रयोगात्मक परीक्षाएं	10 नवंबर तक
परीक्षाएं	11 नवंबर से 10 दिसंबर
शीत अवकाश	24 दिसंबर से 5 जनवरी
परिणाम घोषित	पांच जनवरी 2026

अन्य विषम सेमेस्टर की कक्षाएं 21 से

तीसरे और पांचवें सेमेस्टर (विषम) का शिक्षण कार्य 21 जुलाई से शुरू होना है, 15 नवंबर तक शिक्षण कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रयोगात्मक परीक्षाएं 30 नवंबर और सेमेस्टर परीक्षाएं एक से 20 दिसंबर के बीच कराई जाएगी। पाच जनवरी 2026 तक परिणाम घोषित किया जाना है। इसी तरह पांच जनवरी 2026 को शुरू होने वाले दूसरे, छठवें और आठवें सेमेस्टर का शिक्षण कार्य 30 अप्रैल 2026 तक पूरा कराया जाना है। 10 मई 2026 तक प्रयोगात्मक परीक्षाए समाप्त कराकर 11 से 30 मई के बीच सेमेस्टर परीक्षाएं आयोजित होनी है। 15 जून 2026 तक परिणाम घोषित किया जाना है। शिक्षण कार्य पूर्ण होने के बाद एक जून 2026 से 30 जून 2026 तक 30 दिनो का ग्रीष्म अवकाश रहेगा।

हिन्दुस्तान

भाषा विवि में पहला सेमेस्टर 26 से, विभागों में होंगे बड़े आयोजन

सत्र

लखनऊ, संवाददाता। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में पहले सेमेस्टर की प्रवेश प्रक्रिया 24 जुलाई तक पूरी होगी, 26 से शिक्षण कार्य आरंभ होना है। विवि के कुलसचिव डॉ. महेश कुमार की ओर से सत्र 2025-26 का शैक्षणिक कैलेंडर जारी कर दिया गया है। इसके अलावा अन्य कार्यक्रमों की सूची जारी की गई है। जिसके तहत विवि के हर विभाग को अब इवेंट्स कराने होंगे।

नए एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार पहले सेमेस्टर की कक्षाएं शुरू होने के साथ 26 से 30 जुलाई तक कक्षाओं के पूर्व या बाद एक हफ्ते का स्टूडेंट इंट्रोडक्शन प्रोग्राम चलाया जाएगा।

हर विभाग को कराने होंगे इवेंट्स

कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि हर साल एकेडमिक कैलेंडर जारी होता था, इस साल से हर विभाग को अनेक आयोजन कराने के लिए अलग से कार्यक्रम सूची जारी हुई है। इसके आयोजन के लिए विभागों को विवि की ओर से सीमित अनुदान भी मिलेगा।

31 विभागों को 43 दिवस और जयंती मनाना

कुलसचिव डॉ. महेश कुमार की ओर से जारी सूची के अनुसार शैक्षिक सत्र 2025-26 में 31 विभागों को 43 दिवस और जयंती मनाना है। अलग-अलग विभाग अलग-अलग दिवस या जयंती मनाएंगे। जैसे अरबी विभाग विश्व अरबी दिवस और हजरत अली का जन्मदिवस तो हिन्दी विभाग कबीर और रविदास जयंती का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि इसके अलावा हर विभाग को अलग से साल में एक अन्य बड़ा सेमिनार या कॉन्फ्रेंस आयोजित करना होगा।

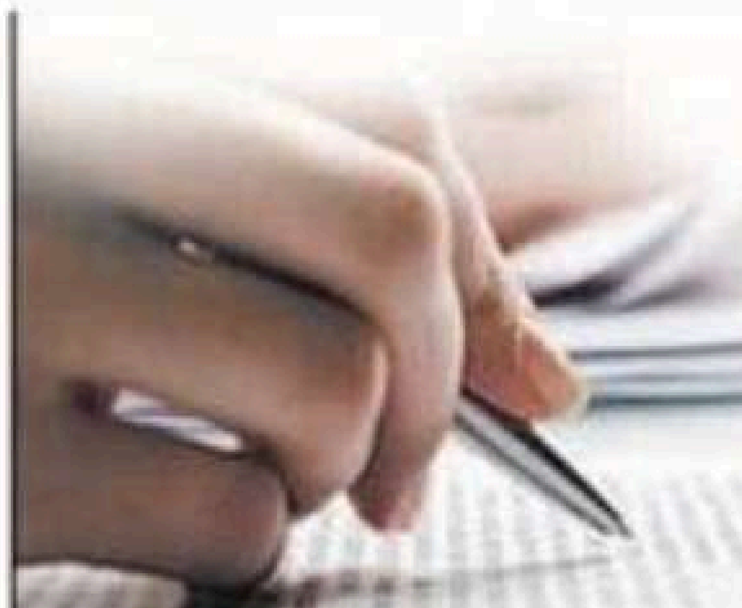

26 से 30 जुलाई तक नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए कराया जाना है स्टूडेंट इंट्रोडक्शन प्रोग्राम

24 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी होगी

- साल की एक्टिविटी लिस्ट जारी
- विभागों को दिया जाएगा अनुदान

पहले सेमेस्टर का शेड्यूल

प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण	24 जुलाई तक
कक्षाओं का संचालन	26 जुलाई से
शिक्षण कार्य पूर्ण	एक नवंबर तक
प्रयोगात्मक परीक्षाएं	10 नवंबर तक
परीक्षाएं	11 नवंबर से 10 दिसंबर
शीत अवकाश	24 दिसंबर से 5 जनवरी
परिणाम घोषित	पांच जनवरी 2026

अन्य विषम सेमेस्टर की कक्षाएं 21 से

तीसरे और पांचवें सेमेस्टर (विषम) का शिक्षण कार्य 21 जुलाई से शुरू होना है, 15 नवंबर तक शिक्षण कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रयोगात्मक परीक्षाएं 30 नवंबर और सेमेस्टर परीक्षाएं एक से 20 दिसंबर के बीच कराई जाएगी। पांच जनवरी 2026 तक परिणाम घोषित किया जाना है। इसी तरह पांच जनवरी 2026 को शुरू होने वाले दूसरे, छठवें और आठवें सेमेस्टर का शिक्षण कार्य 30 अप्रैल 2026 तक पूरा कराया जाना है। 10 मई 2026 तक प्रयोगात्मक परीक्षाएं समाप्त कराकर 11 से 30 मई के बीच सेमेस्टर परीक्षाएं आयोजित होनी है। 15 जून 2026 तक परिणाम घोषित किया जाना है। शिक्षण कार्य पूर्ण होने के बाद एक जून 2026 से 30 जून 2026 तक 30 दिनों का ग्रीष्म अवकाश रहेगा।

हिन्दुस्तान लखनऊ, गुरुवार, 3 जुलाई 2025 07

बार काउंसिल से भाषा विवि को मान्यता मिली

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय को बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) से बीएएलएलबी और एलएलबी पाठ्यक्रमों के लिए मान्यता मिली है। विश्वविद्यालय में वर्ष 2023 से विधि पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कराई जा रही है, जबकि वर्ष 2021 से एलएलएम पाठ्यक्रम का संचालन हो रहा है। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने मान्यता मिलने को गौरव का पल बताया। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का पल है।

वहीं बता दें कि विधि संकाय अधिष्ठाता प्रो. मसूद आलम ने बताया कि हाल ही में विभाग में आठ सहायक प्रोफेसरों और एक एसोसिएट प्रोफेसर की तैनाती हुई है।

लखनऊ, 2 जुलाई, 2025 दैनिक जागरण

आवेदन में सुधार के लिए खुली विंडो

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में आवेदन करने वालों को शैक्षणिक अंकों में संशोधन के लिए सुधार विंडो खोल दी गई है। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर सौबान सईद ने बताया कि यह विंडो चार जुलाई को दोपहर तीन बजे तक खुली रहेगी। यदि अभ्यर्थियों को कोई विवरण संशोधित या अपडेट करना है या फिर संबंधित दस्तावेज अपलोड करना है तो अपने लागिन के माध्यम से कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्नातक और परास्नातक के कुछ कोर्सों में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग बुधवार से शुरू हो जाएगी। दूसरी ओर, विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डा. महेश कुमार ने बी.ए इतिहास, गृह विज्ञान, बी.एससी जूलाजी, बायोटेक्नोलाजी, माइक्रोबायोलाजी, रसायन विज्ञान व गणित छठे सेमेस्टर के परिणाम शामिल हैं। (जासं)

Email Id : Bulandsandesh@gmail.com

दैनिक बुलन्द संदेश

भाषा विवि में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान का भावनात्मक शुभारंभ

बुलन्द संदेश ब्यूरो

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ द्वारा पर्यावरण संरक्षण और मातृत्व के सम्मान में आज एक अनोखा और प्रेरणादायक अभियान "एक पेड़ मां के नाम" आरंभ किया गया। इस पहल के तहत लोगों को अपनी मां के सम्मान में एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय विधायक बक्शी का तालाब योगेश शुक्ल के करकमलों द्वारा किया गया। उन्होंने इस अभियान की सराहना करते हुए कहा, एक पेड़ न केवल प्रकृति की सेवा है, बल्कि यह हमारी मां के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक भी बनता है।एक पेड़ मां के नाम अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को एक व्यक्तिगत और भावनात्मक पहलू से जोड़ना है ताकि समाज में अधिक से अधिक लोग वृक्षारोपण के लिए प्रेरित हों। "मां सिर्फ जीवन देती हैं, बल्कि जीवन जीना भी सिखाती हैं।" इसी भावना के साथ माननीय कुलपति प्रो अजय तनेजा द्वारा भी "एक पेड़ मां के नाम" अभियान का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल पर्यावरण की रक्षा करना है, बल्कि मां के प्रति अपनी भावनाओं और सम्मान को प्रकृति से जोड़कर अभिव्यक्त करना भी है।इस अवसर पर भाषा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ महेश कुमार ने कहा कि ह्लमां और वृक्ष झ दोनों जीवनदायिनी हैं। यह पहल दोनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक सुंदर माध्यम है।इस अवसर पर सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। सभी ने संकल्प

लिया कि वे अपनी मां के नाम एक पेड़ अवश्य लगाएंगे और उसकी देखभाल करेंगे। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने पेड़-पौधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस तरह की पहल न केवल हरियाली बढ़ाएगी, बल्कि लोगों को भावनात्मक रूप से भी पर्यावरण से जोड़ेगी।

कार्यक्रम का आयोजन डॉ. नीरज शुक्ला, डॉ. नलिनी मिश्रा और डॉ. मो.शरिक के समन्वय से हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने अपनी मां के नाम एक पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल एक सामाजिक पहल था, बल्कि इसमें भावनात्मक जुड़ाव और पारिस्थितिकी संरक्षण का भी संदेश छिपा था।

केकेसी में सफलता से हुई प्रवेश परीक्षा

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में स्नातक व परास्नातक की प्रवेश परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिक्षण भवन में दोपहर तीन से चार तक बीफार्मा, डीफार्मा, बीसीए, एमसीए, बीबीए, एमबीए, बीटेक और एमटेक पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में कुल 694 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रवेश समन्वयक प्रो. सौबान सईद ने बताया कि सभी अभ्यर्थियों को पूर्व में ही समय और दिशा-निर्देश उपलब्ध करा दिए गए थे, जिससे परीक्षा के संचालन में किसी प्रकार की बाधा नहीं आई।

भाषा विश्वविद्यालय में होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। "Recent Trends in Science, Technology & Medical Sciences" विषयक इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय के हाइब्रिड हॉल (तीसरी मंज़िल, अकादमिक ब्लॉक) में किया जाएगा। इस संगोष्ठी की मुख्य संरक्षिका उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल होंगी। कार्यक्रम के संरक्षक माननीय कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा हैं। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. अभय कृष्ण (रसायन विभाग) हैं। सह-संयोजक तसलीम जमाल एवं डॉ. सायमा अलीम (कंप्यूटर साइंस एवं टेक्नोलॉजी विभाग) हैं। मण्डल स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता- उत्तर प्रदेश शासन के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तत्वावधान में मण्डल स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन विश्व विद्यालय के अटल हॉल में किया जाएगा। यह प्रतियोगिता प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक चलेगी। प्रतियोगिता के संरक्षक डॉ. डी. बी. सिंह एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अभय कृष्ण हैं। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन, जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार एवं जिलाधिकारी विशाख की उपस्थिति रहेगी। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं अपने वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत करेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने दोनों ही कार्यक्रमों की तैयारी पूरी कर ली है और इन आयोजनों के माध्यम से छात्रों व शिक्षकों को विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नवीनतम जानकारियों से अवगत कराने का लक्ष्य रखा गया है।

amarujala.com/lucknow
my city
लखनऊ | मंगलवार • 08.07.2025
अमर उजाला
7

भाषा विश्वविद्यालय : स्नातक दूसरे सेमेस्टर के परिणाम घोषित

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने सोमवार को स्नातक सम सेमेस्टर परीक्षा के दूसरे सेमेस्टर के परिणाम घोषित कर दिए। इनमें बीए हिंदी, पाली, अंग्रेजी, फ्रेंच, उर्दू, अरबी, फारसी, अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास, भूगोल, गृह विज्ञान, पत्रकारिता एवं जनसंचार, शारीरिक शिक्षा व बीए एलएलबी शामिल हैं। विवि की वेबसाइट पर परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। (संवाद)

हिन्दुस्तान
लखनऊ, मंगलवार, 22 जुलाई 2025 08

डॉ. रुचिता का मीडिया साक्षरता कोर्स रिकॉर्ड हुआ

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रुचिता सुजय चौधरी ने मीडिया साक्षरता (अंग्रेजी) कोर्स की रिकॉर्डिंग पूरी की है। उन्होंने बताया कि 20 घंटे का यह कोर्स भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से संचालित स्वयं प्रभा चैनल पर प्रसारित किया जाएगा। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने इसे विवि के लिए गौरव की बात बताई।

हिन्दुस्त

डॉ. रुचिता का मीडिया साक्षरता कोर्स रिकॉर्ड हुआ

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रुचिता सुजय चौधरी ने मीडिया साक्षरता (अंग्रेजी) कोर्स की रिकॉर्डिंग पूरी की है। उन्होंने बताया कि 20 घंटे का यह कोर्स भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से संचालित स्वयं प्रभा चैनल पर प्रसारित किया जाएगा। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने इसे विवि के लिए गौरव की बात बताई।

लखनऊ | बृहस्पतिवार • 17.07.2025

my city अमर उजाला 7

भाषा विवि में अब 20 तक आवेदन

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में स्नातक में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तारीख 20 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। बीटेक (सिविल, मैकेनिकल, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस), बीए (ऑनर्स), बीबीए, बीसीए, एमबीए, एमसीए के लिए आवेदन कर सकते हैं। विवि में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, अरबी, फारसी, जर्मन, चीनी, जापानी और पाली जैसी भाषाओं के साथ-साथ पत्रकारिता व जनसंचार, गृह विज्ञान, इतिहास, शिक्षा, राजनीतिक विज्ञान और वाणिज्य जैसे विषय भी पढ़ाए जाते हैं। वेबसाइट www.kmclu.ac.in से आवेदन कर सकते हैं। (संवाद)

भाषा विवि में ट्रेनिंग फॉर ट्रेनर्स कार्यशाला का आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में ट्रेनिंग फॉर ट्रेनर्स कार्यशाला का आयोजन 11.00 बजे पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। भाषा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो अजय तनेजा के संरक्षण में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा ट्रेनिंग फॉर ट्रेनर्स कार्यशाला का आयोजन विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में परिचय देते हुए पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विभाग के डॉ शचींद्र शेखर ने कहा कि सभी विभागों को अपने स्तर पर सूचनाओं को मीडिया टीम के समन्वय के साथ प्रेषित करना चाहिए। डॉ शेखर ने कहा कि विभाग की सभी गतिविधियों की आवश्यक जानकारी उचित समय पर विश्वविद्यालय की मीडिया टीम को उपलब्ध कराना चाहिए। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में संबोधित करते हुए डॉ काजिम रिज़वी ने प्रैस रिलीज़ से संबंधित सभी आवश्यक फोटोज और वीडियो को लेकर व्यापक चर्चा की। उन्होंने बताया कि हमें फोटो एंगल, प्रकाश, मंच आदि का ध्यान रखना चाहिए।

لینگویج یونیورسٹی میں قومی سیمینار اور سائنس ماڈل نمائش کا انعقاد

سائنس اور ٹیکنالوجی کسی بھی قوم کی ترقی میں ریڑھ کی ہڈی کی حیثیت رکھتے ہیں: پروفیسر اجے تنیجا

لکھنؤ، 8 رجولائی۔ خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں آج ایک قومی سیمینار اور ڈویژنل سطح کی سائنس ماڈل نمائش کا انعقاد کیا گیا جس میں ملک بھر سے ممتاز سائنسدانوں، اساتذہ، ماہرین اور طلبہ نے شرکت کی۔ اس اہم قومی سیمینار کے مہمان خصوصی یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا اور خصوصی مدعوئین میں سی ڈی آر آئی کے سینئر سائنسدان پروفیسر پی ایم ایس چوہان اور سی آئی ایم اے پی کے ممتاز سائنسدان پروفیسر کرونا شنکر شامل تھے۔ پروگرام کا آغاز وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا کی جانب سے معزز مہمانوں کو گلدستہ اور شال پیش کر کے خیر مقدم کے ساتھ ہوا۔ اپنے خطبہ ؟ استقبالیہ میں پروفیسر تنیجا نے کہا کہ سائنس اور ٹیکنالوجی کسی بھی قوم کی ترقی میں ریڑھ کی ہڈی کی حیثیت رکھتے ہیں۔ ہماری یونیورسٹی صرف نصابی تعلیم تک محدود نہیں بلکہ ہم تحقیق، اختراع اور سماجی مسائل سے متعلق سائنسی نقطہ نظر کو فروغ دینے کے لیے پرعزم ہیں۔ انہوں نے مزید کہا کہ اس طرح کے سیمینار طلبہ کو تحقیق کی جانب راغب کرنے میں اہم کردار ادا کرتے ہیں۔ پروفیسر پی ایم ایس چوہان نے شرکاء سے خطاب کرتے ہوئے کہا کہ سائنس کو صرف لیبارٹریوں تک محدود نہیں رکھا جا سکتا بلکہ سائنس ایک سوچنے کا عمل ہے جو سوالات اٹھاتا ہے اور نئے حل تلاش کرتا ہے۔

छात्र शैक्षणिक दिशा में बढ़े आगे : डॉ. मृदुल

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। कुलपति प्रो. अजय तनेजा के संरक्षण में, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभाग द्वारा बीपीसीआईएल के सहयोग से बीपीसीआईएल राष्ट्रीय छात्रवृत्ति परीक्षा 2025 के अंतर्गत एक विशेष व्याख्यान एवं पुरस्कार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जैव प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ममता शुक्ला ने की, जो आयोजन सचिव भी रहीं। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सउबान सईद और समन्वयक डॉ. नीरज शुक्ला रहे। आयोजन समिति के अन्य प्रमुख सदस्यों में डॉ. आर. के. त्रिपाठी, डॉ. पूनम, डॉ. अभय कृष्ण, डॉ. मनेन्द्र सिंह, डॉ. इफ्त अज़ीम, अभियंता धीरेंद्र, राशि श्रीवास्तव तथा शिवांशी त्रिपाठी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सीएसआईआर राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई), लखनऊ से आए

■ भाषा विवि : बीपीसीआईएल राष्ट्रीय छात्रवृत्ति परीक्षा विशेष व्याख्यान एवं पुरस्कार सम्मान समारोह

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने व्याख्यान प्रस्तुत किए। डॉ. रुद्र देव त्रिपाठी ने आर्सेनिक विषाक्तता विषय पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने पर्यावरणीय प्रदूषण एवं जनस्वास्थ्य के मुद्दों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. मृदुल शुक्ल ने भी छात्रों को शैक्षणिक दिशा में प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. धीरेंद्र कुमार, विभागाध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं उत्कृष्टता केंद्र, आरआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस; डॉ. अविनाश त्रिपाठी, निदेशक, आरएचए कॉलेज ऑफ फार्मेसी; डॉ. रमेश सिंह, बीएन कॉलेज ऑफ फार्मेसी; डॉ. धर्मवीर सिंह, निदेशक, अम्बेकेश्वर कॉलेज ऑफ फार्मेसी; डॉ. डी.डी. पांडेय, निदेशक, यश राज कॉलेज ऑफ फार्मेसी; तथा डॉ. अनुभव कुमार, निदेशक, श्रीराम मेमोरियल कॉलेज ऑफ फार्मेसी शामिल रहे। कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों और संस्थानों के छात्रों ने भाग लिया, जिससे अंतःविषयक शैक्षणिक संवाद को बल मिला। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण बीपीसीआईएल राष्ट्रीय छात्रवृत्तियों का वितरण रहा, जिसमें जीवन विज्ञान वर्ग के छात्रों को 10,000 तथा फार्मा वर्ग के छात्रों को 5,000 की नकद छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।

हिन्दुस्तान

सूचना आज की बड़ी जरूरतः राज्यपाल

एमओयू

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। विश्वविद्यालयों में सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र के विस्तार के लिए 38 एमओयू किए गए। राजधानी स्थित केजीएमयू के कन्वेंशन सेंटर में कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में यह एमओयू किए गए। राज्यपाल ने कहा कि ज्ञान और शोध के क्षेत्र में सूचना की सहज उपलब्धता आज के युग की आवश्यकता है। कार्यक्रम में तीन विश्व कीर्तिमान बनाए जाने पर इसमें शामिल प्रतिभागियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर उन्होंने सम्मानित किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में 1402597 प्रतिभागियों ने एक साथ हिस्सा लिया। इस अभूतपूर्व कार्यक्रम ने विश्व रिकॉर्ड बनाया। पढ़े विश्वविद्यालय-बढ़े विश्वविद्यालय पढ़े महाविद्यालय-बढ़े महाविद्यालय अभियान के तहत 1577960 प्रतिभागियों के द्वारा पुस्तक पठन का कीर्तिमान बनाया गया। दहेज मुक्त भारत एवं नशा मुक्त भारत की दिशा में 1605847 प्रतिभागियों ने एक साथ शपथ ली। इन कीर्तिमानों में शामिल प्रतिभागियों को राज्यपाल ने आयोजन में सम्मानित किया।

केजीएमयू के कन्वेंशन सेंटर में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में एमओयू हुए।

भाषा विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति प्रभारी नामित

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ ने छात्रों के शैक्षणिक हितों को ध्यान में रखते हुए छात्रवृत्ति वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से डॉ. राहुल मिश्रा-सामान्य वर्ग, डॉ अभय कृष्णा- अन्य पिछड़ा वर्ग, डॉ मनीष कुमार-एस सी/एस टी और डॉ मूसी रज़ा-अल्पसंख्यक वर्ग को छात्रवृत्ति प्रभारी के रूप में नामित किया है। डॉ. राहुल मिश्रा-सामान्य वर्ग, डॉ अभय कृष्णा- अन्य पिछड़ा वर्ग, डॉ मनीष कुमार-एस सी/एस टी और डॉ मूसी रज़ा-अल्पसंख्यक वर्ग में नामित सभी वरिष्ठ प्राध्यापक हैं और शिक्षा के क्षेत्र में इनका लंबा अनुभव रहा है। वे अब छात्रवृत्तियों से संबंधित सभी गतिविधियों का पर्यवेक्षण करेंगे, जिनमें छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया, पात्रता परीक्षण, दस्तावेज़ सत्यापन, और वितरण की निगरानी शामिल है। नव नियुक्त छात्रवृत्ति प्रभारियों डॉ. राहुल मिश्रा-सामान्य वर्ग, डॉ अभय कृष्णा- अन्य पिछड़ा वर्ग, डॉ मनीष कुमार-एस सी/एस टी एवं डॉ मूसी रज़ा-अल्पसंख्यक वर्ग ने विश्वास दिलाया कि वे संस्थान के प्रत्येक पात्र छात्र तक समय पर छात्रवृत्ति पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे और इस प्रक्रिया को सरल व सुलभ बनाएंगे। संस्थान के कुलपति प्रो अजय तनेजा ने सभी प्रभारियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में छात्रवृत्ति संबंधी कार्यप्रणाली और अधिक प्रभावशाली बनेगी।

लखनऊ, 9 जुलाई, 2025 दैनिक जागरण

भाषा विश्वविद्यालय में हुई प्रवेश परीक्षा

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में मंगलवार को स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के शिक्षण भवन में दोपहर तीन से चार तक हुई प्रवेश परीक्षा में बी.फार्मा, डी.फार्मा, बीसीए, एमसीए, बीबीए, एमबीए, बी.टेक और एम.टेक जैसे विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए 895 के सापेक्ष 694 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रवेश समन्वयक प्रो. सौबान ने बताया कि दो दिन बाद इन कोर्सों की मेरिट जारी कर आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। (जासं)

Cam

भाषा विवि में 694 ने दी प्रवेश परीक्षा

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में मंगलवार को स्नातक व परास्नातक कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा हुई। इसमें सभी कोर्स के लिए 694 अभ्यर्थियों ने उपस्थिति दर्ज करवाई। प्रवक्ता डॉ. रुचिता चौधरी ने बताया कि विवि में सभी कोर्स के लिए दूसरी पाली में दोपहर तीन से चार बजे के बीच प्रवेश परीक्षा कराई गई। इसमें एमसीए, बीबीए, बीफार्मा, डीफार्मा, बीसीए, बीटेक व एमबीए के लिए आवेदन करने वाले छात्रों ने प्रतिभाग किया। परीक्षा का आयोजन डॉ. आजम अंसारी व डॉ. राजेंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में किया गया। (संवाद)

भाषा विश्वविद्यालय : 21 से नए सत्र की पढ़ाई, 24 तक प्रवेश

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में नए सत्र में तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की पढ़ाई 21 जुलाई से शुरू होगी। यहां प्रवेश प्रक्रिया 24 जुलाई तक पूरी कर ली जाएगी। 26 जुलाई से प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं संचालित होंगी। नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम भी 26 से 30 जुलाई तक कक्षाओं से पहले और बाद में होगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. महेश ने शुक्रवार को शैक्षिक सत्र 2025-26 का एकेडमिक कैलेंडर जारी कर दिया है।

सेमेस्टर की पढ़ाई के लिए 90 दिन यानी एक नवंबर तक किए गए हैं। 10 नवंबर तक सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं पूरी कर ली जाएंगी। 11 नवंबर से 10 दिसंबर तक सेमेस्टर परीक्षाएं होंगी। 24 दिसंबर से पांच जनवरी तक विश्वविद्यालय में शीतकालीन अवकाश रहेगा।

- सत्र 2025-26 के लिए जारी किया एकेडमिक कैलेंडर

15 नवंबर तक तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की पढ़ाई पूरी : विश्वविद्यालय में तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की पढ़ाई 15 नवंबर तक पूरी कराई जाएगी। 30 नवंबर तक इनकी प्रयोगात्मक परीक्षाएं होंगी। एक से 20 दिसंबर तक इनकी परीक्षाएं और पांच जनवरी तक परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

दूसरे, चौथे, छठे, आठवें सेमेस्टर पांच जनवरी से : दूसरे, चौथे, छठे और आठवें सेमेस्टर की कक्षाओं की शुरुआत पांच जनवरी से होगी। 30 अप्रैल तक शिक्षण कार्य होगा। 10 मई तक प्रयोगात्मक परीक्षाएं, 11 से 30 मई तक सेमेस्टर परीक्षाएं, 15 जून तक परिणाम और एक से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश रहेगा।

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

लखनऊ
शनिवार
5 जुलाई 2025

3D

केएमसी में 11 पाठ्यक्रमों के परिणाम घोषित

केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में संचालित 11 यूजी, पीजी पाठ्यक्रमों के दूसरे सेमेस्टर का परिणाम जारी कर दिया गया है। इसमें बीकॉम, बीबीए, बीसीए, एलएलबी, एलएलएम, एमबीए, एमसीए समेत कई अन्य पाठ्यक्रम शामिल हैं। समर्थ पोर्टल के जरिए परिणाम देख सकते हैं।

बीटेक, एमटेक सहित कई कोर्स की मेरिट जारी

लखनऊ : भाषा विश्वविद्यालय ने गुरुवार को बी.टेक, एम.टेक सहित आठ कोर्सों में लिखित प्रवेश परीक्षा के बाद पहली मेरिट सूची जारी कर दी। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर सौबान सईद की ओर से जारी सूचना के अनुसार सूची मे जिन अभ्यर्थियों के नाम शामिल हैं उनकी काउंसिलिंग 11 से 13 जुलाई तक होगी। अभ्यर्थियों को सुबह 11 से दोपहर तीन बजे के बीच अपने मूल अभिलेखों के साथ विश्वविद्यालय में आकर काउंसिलिंग कराना होगा। विस्तृत जानकारी वेबसाइट https://kmcluadm.samarth.edu.in/ पर अपलोड की गई है। (जासं)

हिन्दुस्तान
लखनऊ, गुरुवार, 10 जुलाई 2025 06

भाषा विवि: कई कोर्स के परिणाम जारी

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 सम सेमेस्टर परीक्षा के तहत स्नातक स्तर के कई कोर्स के नतीजे जारी कर दिए गए हैं। इसमें बीए हिंदी, पाली, अंग्रेजी, फ्रेंच, उर्दू, अरबी, फारसी, अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, राजनीतिक विज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास, भूगोल, गृह विज्ञान, पत्रकारिता एवं जनसंचार समेत अन्य विषय शामिल हैं।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. महेश कुमार ने बताया कि परीक्षार्थी विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर रिजल्ट देख सकते हैं।

भाषा विवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं मंडल स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी आयोजित

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आज राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं मंडल स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सीडीआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. पी.एम.एस. चौहान और सिमैप के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. करुणा शंकर उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने विशिष्ट अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र प्रदान कर किया।

अपने स्वागत अभिभाषण में अतिथियों का स्वागत करते हुए कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा, ÷विज्ञान और तकनीक किसी भी राष्ट्र की प्रगति की रीढ़ होते हैं। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल पाठ्य पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि शोध, नवाचार और सामाजिक सरोकारों से जुड़े वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना भी है। इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में अनुसंधान के प्रति उत्सुकता उत्पन्न करते हैं और उन्हें अपने विचारों को साकार करने का मंच प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय गर्व महसूस करता है कि आज हमारे परिसर में इतने प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और विद्वानों की उपस्थिति है, जो हमारे छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगे।÷साथ ही, इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. पी.एम.एस. चौहान ने प्रतिभागियों को वैज्ञानिक अनुसंधान को जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सोचने, प्रश्न उठाने और नए समाधान खोजने की एक प्रक्रिया है जिसे हमें अपने दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए। प्रो. चौहान ने युवाओं से आह्वान किया कि वे जिज्ञासा को जीवित रखें, वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करें और अपने आसपास की समस्याओं को सुलझाने में विज्ञान को उपकरण के रूप में इस्तेमाल करें। उन्होंने यह भी कहा कि आज की पीढ़ी के पास अपार संभावनाएं हैं, बशर्ते वे अनुशासित, समर्पित और निरंतर शोधशील बने रहें। वैज्ञानिक सोच ही वह आधार है जिस पर सशक्त, समृद्ध और सतत विकासशील समाज की नींव रखी जा सकती है।

हिन्दुस्तान
लखनऊ, बुधवार, 9 जुलाई 2025 08

युवा वैज्ञानिकों के लिए रिसर्च, इनोवेशन जरूरी

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी व मंडल स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. अजय तनेजा, विशिष्ट अतिथि सीडीआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. पीएमएस चौहान व सीमैप के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. करुणा शंकर रहे। कुलपति ने कहा कि युवा वैज्ञानिकों के लिए रिसर्च, इनोवेशन जरूरी है।

केकेसी में सफलता से हुई प्रवेश परीक्षा

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में स्नातक व परास्नातक की प्रवेश परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिक्षण भवन में दोपहर तीन से चार तक बीफार्मा, डीफार्मा, बीसीए, एमसीए, बीबीए, एमबीए, बीटेक और एमटेक पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में कुल 694 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रवेश समन्वयक प्रो. सौबान सईद ने बताया कि सभी अभ्यर्थियों को पूर्व में ही समय और दिशा-निर्देश उपलब्ध करा दिए गए थे, जिससे परीक्षा के संचालन में किसी प्रकार की बाधा नहीं आई।

भाषा विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग में नई नियुक्तियाँ पूर्ण, विभाग को मिली नई गति

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के फार्मेसी विभाग में नियुक्तियों की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत विभाग को अब एक नया नेतृत्व और मजबूती मिली है। हाल ही में हुई नियुक्तियों के अंतर्गत डॉ. शालिनी त्रिपाठी को विभाग का निदेशक बनाया गया है, साथ ही 11 सहायक प्राध्यापकों की भी नियुक्ति की गई है। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय का फार्मेसी विभाग बी.फार्मा और डी.फार्मा जैसे प्रमुख पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है, जिन्हें फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त है। यह मान्यता विभाग

की गुणवत्ता और पेशेवर मानकों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पिछले डेढ़ वर्षों में फार्मेसी विभाग ने उल्लेखनीय विकास किया है — चाहे वह शैक्षणिक गुणवत्ता हो, शोध की दिशा हो या अधोसंरचना। इस विकास यात्रा में कुलपति प्रोफ़ेसर अजय तनेजा की अग्रणी भूमिका रही है, जिनके मार्गदर्शन में विभाग को नई दिशा और गति मिली है। फिलहाल, बी.फार्मा कोर्स की सभी सीटें पूर्ण रूप से भर चुकी हैं, जो विद्यार्थियों के बीच इस कोर्स की लोकप्रियता को दर्शाता है। वहीं, डी.फार्मा पाठ्यक्रम में प्रवेश की प्रक्रिया अभी जारी है विश्वविद्यालय प्रशासन को पूर्ण विश्वास है कि इन नई नियुक्तियों और कुलपति के सक्रिय मार्गदर्शन के साथ फार्मेसी विभाग आने वाले समय में और भी ऊँचाइयों को छुएगा तथा देश के अग्रणी फार्मेसी संस्थानों में अपना स्थान बनाएगा।

4G 11:12 82 35

जिलाधिकारी अनुनय झा की जन सुनवाई में कुल 194 आयुष्मान कार्ड बनवाये जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि

निस्तारण कराया जाये।

सुदामा नाम की महिला को जन सुनवाई के दौरान वृद्धावस्था पेंशन से आच्छादित कराया गया। निर्मला नाम

भाषा विश्वविद्यालय की सभी सीटें हुईं फुल

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में इस वर्ष प्रवेश प्रक्रिया को लेकर छात्रों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश निरंतर जारी है, और इच्छुक अभ्यर्थी 20 जुलाई 2025 तक प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं।

विशेष रूप से विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित बी.ए. एल.एल.बी. और एल.एल.बी. कार्यक्रमों में छात्रों की भारी रुचि देखने को मिली है, जिसके चलते इन पाठ्यक्रमों की सभी सीटें पूर्ण रूप से भर चुकी हैं। यह दर्शाता है कि विश्वविद्यालय के विधिक शिक्षा कार्यक्रमों की गुणवत्ता और प्रतिष्ठा में लगातार वृद्धि हो रही है।

विधि विभाग के प्रमुख डॉ. पियूष द्विवेदी ने जानकारी दी कि बी.ए. एल.एल.बी. और एल.एल.बी. पाठ्यक्रमों में छात्रों का रुझान तेजी से बढ़ा है, जो विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली और अनुशासित शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा की दूरदर्शी नेतृत्व क्षमता और सतत मार्गदर्शन में यह प्रवेश प्रक्रिया सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। उनके प्रयासों के कारण विश्वविद्यालय न केवल प्रदेश में, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी एक नई पहचान बना रहा है। जो छात्र अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक हैं, वे विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.kmclu.ac.in पर जाकर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, अथवा विश्वविद्यालय के प्रवेश प्रकोष्ठ से संपर्क कर सकते हैं।

Edit Annotate Fill & Sign Convert All

भाषा विवि में प्रवेश के लिए पंजीकरण की तिथि 20 तक बढ़ी

अवधनामा संवाददाता

■ छात्रों को समय पर आवेदन करने का पुनः अवसर

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ ने छात्रहित में प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 20 जुलाई 2025 कर दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय छात्रों की बढ़ती रुचि और कई छात्रों के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए लिया है।

यह विश्वविद्यालय भाषा, संस्कृति और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध है और यहाँ बी.टेक (सिविल, मैकेनिकल, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस), बी.ए. (ऑनर्स), बी.बी.ए., बी.सी.ए., एम.बी.ए., एम.सी.ए. सहित विविध स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

साथ ही हिंदी, अंग्रेज़ी, उर्दू, अरबी, फारसी, जर्मन, चीनी, जापानी और पाली जैसी भाषाओं के साथ-साथ पत्रकारिता एवं जनसंचार, गृह विज्ञान, इतिहास, शिक्षा, राजनीतिक विज्ञान और वाणिज्य जैसे विषयों में भी अध्ययन के अवसर उपलब्ध हैं।

प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर सौबान सईद ने कहा, हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक विद्यार्थी इस शैक्षणिक अवसर का लाभ उठाएं। प्रवेश पंजीकरण की तिथि बढ़ने से उन छात्रों को भी आवेदन का अवसर मिलेगा जो किसी कारणवश पूर्व में आवेदन नहीं कर सके थे। हम छात्रों से अनुरोध करते हैं कि वे 20 जुलाई से पूर्व अपना पंजीकरण अवश्य पूर्ण करें। छात्र विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.kmclu.ac.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

भाषा विवि में हुआ विश्व जनसंख्या दिवस पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

लखनऊ । ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में विशेष व्याख्यान का आयोजन सायं 03.30 बजे किया गया विदित है कि हर वर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य जनसंख्या से संबंधित मुद्दों पर वैश्विक चेतना बढ़ाना और जनसंख्या नियंत्रण, स्वास्थ्य सेवाओं, लैंगिक समानता, गरीबी उन्मूलन और सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करना है।

विशेष व्याख्यान कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों को शॉल और प्रतीक चिह्न भेंट कर किया गया। विशेष व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में जागरूकता फैलती है और युवा पीढ़ी जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में अग्रसर होती है कार्यक्रम के अगले सत्र में विभाग की प्राध्यापक डॉ आस्था सिंह ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी।

विशेष व्याख्यान के अगले सत्र में मुख्य प्रो संजय सिंह, डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय लखनऊ ने इस वर्ष की थीम पर जोर देते हुए कहा कि विविधता में पॉलिसी मैटर करती है*। प्रो संजय ने तेजी से बढ़ती जनसंख्या की वैश्विक और राष्ट्रीय प्रभावों पर प्रकाश डाला। सिंह ने बताया कि संतुलित जनसंख्या विकास ही सतत विकास का आधार है। प्रो सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि जनसंख्या नियंत्रण नीतियों को सशक्त बनाना और युवाओं को जागरूक करना आज की प्राथमिक आवश्यकता है। यह केवल सरकार का नहीं, हम सबका सामूहिक दायित्व है।

उन्होंने विविधताओं से भरे देश में केरल मॉडल के माध्यम से सटीकता तक नहीं पहुंच सकते। प्रो सिंह ने कहा कि आज का युवा कल का बुजुर्ग है। जनसंख्या वृद्धि और उससे उत्पन्न सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति जन-जागरूकता से ही निपटा जा सकता है। प्रो सिंह ने कहा कि जाति जनगणना सामूहिक परिचय का द्योतक है। भारत का सविधान व्यक्तिगत पहचान के साथ सामूहिक पहचान भी प्रदान करता है।

विशेष व्याख्यान का धन्यवाद ज्ञापन डीन एंड समन्वयक, सामाजिक विज्ञान संकाय प्रो चन्दना डे ने दिया उन्होंने कहा कि इस दिन का संदेश स्पष्ट है कि जनसंख्या पर नियंत्रण और संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण ही विकास का आधार है। हमको जागरूक नागरिक बनना होगा, जिम्मेदार निर्णय लेकर और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संतुलित और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम का आयोजन समाज शास्त्र विभाग के डॉ हैदर मेहदी, डॉ जिया जाफरी और डॉ आस्था के समन्वय से संपन्न हुआ। संचालन डॉ हैदर मेहंदी ने किया। विशेष व्याख्यान के दौरान प्रो हैदरअली, डॉ तथहीर फातिमा, डॉ चेतना शर्मा और डॉ मृणाल झा सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी भारी तादाद में उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान लखनऊ, गुरुवार, 24 जुलाई 2025 07

वेतन बढ़ने पर अस्थायी सहायक आचार्य खुश

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में कार्यरत अस्थायी सहायक आचार्यों ने वेतन बढ़ने पर खुशी जताई है, कुलपति प्रो. अजय तनेजा, कुलसचिव डॉ. महेश कुमार और वित्त अधिकारी साजिद आजमी से मिलकर आभार व्यक्त किया है। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि शिक्षक विवि की आत्मा होते हैं। उनकी संतुष्टि और सम्मान हमारी प्राथमिकता है।

روزنامہ راشٹریہ سہارا

گورنر آنندی بین پٹیل کی صدارت میں 38 مفاہمت ناموں پر دستخط

3 عالمی ریکارڈس کیلئے گورنر کو اعزاز سے نوازا گیا

لکھنؤ (ایس این بی)

کنگ جارج میڈیکل یونیورسٹی (کے جی ایم یو) میں منگل کو اترپردیش کی گورنر و ریاستی یونیورسٹیوں کی چانسلر آنندی بین پٹیل کی صدارت میں ایک تاریخی پروگرام کا انعقاد کیا گیا۔ اس موقع پر ریاست کی تمام ریاستی یونیورسٹیوں اور اعلیٰ تعلیمی اداروں میں انفارمیشن اینڈ لائبریری نیٹ ورک سنٹر کی خدمات کو نافذ کرنے کیلئے 38 مفاہمت ناموں پر دستخط کیے گئے۔ یہ اقدام یونیورسٹیوں کی تحقیقی صلاحیتوں کو ڈیجیٹل طور پر بااختیار بنانے اور طلبہ کو معیاری مطالعہ کا مواد فراہم کرنے کی جانب ایک اہم قدم ہے۔ پروگرام کے دوران گورنر آنندی بین پٹیل کو 3 تعلیمی ریکارڈوں کیلئے سرٹیفکیٹ و تمغے پیش کرتے ہوئے اعزاز سے نوازا گیا۔ اس میں بین الاقوامی یوم یوگا (21 جون) پر منعقد پروگرام بھی شامل تھا جس میں ریاست بھر کے اعلیٰ تعلیمی اداروں سے 1402597 شرکاء نے حصہ لیا۔ دوسری 'پڑھے ودیالیہ، بڑھے ودیالیہ' مہم تھی جس میں 1577960 شرکاء نے اجتماعی کتاب پڑھنے میں حصہ لیا اور تیسری 'جہیز فری انڈیا' 'ڈرگ فری انڈیا' مہم تھی جس میں 1605847 شرکاء نے ایک ساتھ حلف لیا۔ ان کامیابیوں کو تعلیمی ریکارڈ کے طور پر تسلیم کیا گیا ہے اور اس نے اترپردیش کو بین الاقوامی پلیٹ فارم پر ایک نئی شناخت دی ہے۔

پروگرام میں گورنر نے کہا کہ علم وتحقیق کے میدان میں معلومات کی آسان دستیابی وقت کی اہم ضرورت ہے۔ انھوں نے یونیورسٹیوں پر زور دیا کہ وہ اپنی لائبریریوں کو ڈیجیٹل وسائل سے آراستہ کریں۔ گورنر نے کہا کہ تعلیمی اداروں کو متعلقہ، عملی وسماجی طور پر مفید تحقیق کو ترجیح دینی چاہئے۔ انھوں نے خواتین، بچوں، کسانوں، دیہاتیوں اور دفاعی شعبے سے متعلق مسائل کے حل کیلئے سنجیدہ تحقیقی کام کرنے پر زور دیا۔ گجرات میں قائم کی گئی نیشنل ڈیفنس یونیورسٹی کی مثال دیتے ہوئے گورنر نے بتایا کہ کس طرح یہ ادارہ دفاعی تحقیق میں سرفہرست ہے۔ انھوں نے پیٹنٹ اور اختراع کی سمت میں یونیورسٹیوں کو فعال کردار ادا کرنے کی ضرورت پر زور دیا اور کووڈ کے دور میں ہندوستان کی تیار ویکسین کو ہندوستانی سائنسی صلاحیت کا ثبوت قرار دیا۔ گورنر نے 'ڈیش بورڈ یونیورسٹی آف اترپردیش راج بھون لکھنؤ' کا بھی آغاز کیا۔ اس موقع پر ایڈیشنل چیف سکریٹری ڈاکٹر سدھیر مہادیو بوبڈے نے کہا کہ گورنر کی تحریک سے اعلیٰ تعلیمی اداروں میں تحقیق واختراع کے معیار میں اضافہ ہوگا اور ریاست کی یونیورسٹیوں کو بین الاقوامی سطح پر پہچان ملے گی۔ انفارمیشن اینڈ لائبریری نیٹ ورک سنٹر گاندھی نگر کی ڈائریکٹر پروفیسر دیویکا پی مدالی اور سینئر سائنسداں پروفیسر ابھشیک کمار نے اپنے پرزنٹیشن میں بتایا کہ کس طرح یہ نیٹ ورک یونیورسٹیوں کے تحقیق واشاعت کے نظام کو ڈیجیٹل طور پر مضبوط کرے گا۔ پروگرام کی نظامت اسپیشل ایگزیکٹیو افسر ایجوکیشن ڈاکٹر پنکج ایل جانی نے کی۔ اس موقع پر وائس چانسلروں، ڈائریکٹر، رجسٹرار، شعبہ جات کے سربراہان، لائبریرین، ریسرچ ڈائریکٹرس، افسران، طلبہ نے شرکت کی۔

हिन्दुस्त

केएमसी में विधि, बीसीए की चौथी मेरिट सूची जारी

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय ने एलएलबी, बीएएलएलबी और बीसीए कोर्स की चौथी मेरिट सूची जारी की है। इनकी काउंसिलिंग तिथि भी तय कर दी गई है। इस संबंध में प्रवेश समन्वयक प्रो. सौबान सईद की ओर से विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर सूचना जारी की गई है। उन्होंने बताया कि इन कोर्सों की काउंसलिंग शैक्षणिक भवन में 23 और 24 जुलाई को होगा।

ڈاکٹر روچیتا چودھری نے 'سویم پربھا' کے لئے میڈیا لٹریسی کورس کی ریکارڈنگ کی مکمل

لکھنؤ، خواجہ معین الدین چشتی بھاشا یونیورسٹی، لکھنؤ کے شعبۂ صحافت وابلاغ عامہ کی اسسٹنٹ پروفیسر ڈاکٹر روچیتا سوجے چودھری نے 'سویم پربھا' ڈی ٹی ایچ چینل کے لئے میڈیا لٹریسی (انگریزی) کورس کی 20 گھنٹے پر مشتمل ریکارڈنگ کامیابی کے ساتھ مکمل کرلی ہے۔ یہ کورس جلد ہی وزارت تعلیم، حکومتِ ہند کے تحت چلنے والے چینل نمبر 28 پر نشر کیا جائے گا جو ملک بھر میں ڈیجیٹل تعلیم کو فروغ دینے کے لیے وقف ہے۔ یہ ریکارڈنگ 14 سے 19 جولائی کے دوران سویم پربھا کے میڈیا ٹیکنالوجی سنٹر، کانپور میں انجام دی گئی۔ کورس میں موجودہ ڈیجیٹل دور کے تناظر میں میڈیا کی تفہیم، اس کے اثرات، اور معلوماتی مواد کے نقادانہ تجزیے پر زور دیا گیا ہے۔ ڈاکٹر روچیتا سجے چودھری کا یہ کورس سیکھنے والوں میں نہ صرف میڈیا کی بہتر فہم پیدا کرے گا بلکہ انہیں باشعور اور فعال شہری بنانے میں بھی مددگار ہوگا۔ آن لائن تعلیم کی سمت میں یہ یونیورسٹی کا پہلا بامعنی قدم ہے۔ انھوں نےڈاکٹر چودھری کی اس کامیابی کو ان کی علمی گہرائی، تدریسی مہارت اور تحقیقاتی عزم کا نتیجہ قرار دیا جارہاہ جو نہ صرف یونیورسٹی کے تعلیمی معیار کو مستحکم کرتا ہے بلکہ قومی تعلیمی منظرنامے میں ادارے کی مثبت موجودگی کو بھی اجاگر کرتا ہے۔

रकीं सहेलियां

म में सावन बना मनभावन

शहीदों को किया याद

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में संगोष्ठी पर कारगिल के शहीदों को याद किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अवध प्रांत के सह प्रांत प्रचारक संजय ने कहा कि शहीदों को हमें कभी नहीं भूलना चाहिए। इस दौरान प्रो. शालिनी त्रिपाठी, डॉ राजेंद्र कुमार, डॉ. श्वेता, डॉ. राजकुमार उपस्थित रहे। (संवाद)

भाषा विश्वविद्यालय में याद कर लगाए गए पौधे

लखनऊ। केएमसी भाषा विवि के इतिहास विभाग में चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई गई। विषय प्रभारी इतिहास डॉ. पूनम चौधरी ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद उन्नाव जिले के निवासी थे। इस मौके पर संकायाध्यक्ष सामाजिक विज्ञान प्रो. चंदना डे, डॉ. लक्ष्मण सिंह, डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. मनीष कुमार समेत कई अन्य रहे।

हिन्दुस्त

'पंच परिवर्तन से हो सकता है समाज व राष्ट्र निर्माण'

संगोष्ठी

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में पंच परिवर्तन से समाज परिवर्तन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। युवराष्ट्र के सहयोग से हुए कार्यक्रम में कारगिल के वीर सैनिकों और उनके योगदानों को याद किया गया। परिसर में दो दर्जन पौधे लगाए गए, कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने नवसृजित वाटिका को शहीद मनोज कुमार पांडेय वाटिका नाम दिया।

मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अवध प्रान्त के सह प्रांत प्रचारक संजय ने सभी बलिदानी सैनिकों याद किया। उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान सैनिक से साथ सभी देशवासी भी जनमाध्यमों से लड़ते हैं। पंच परिवर्तन को मात्र एक संकल्प नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी साझा जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य से ही समाज और राष्ट्र का निर्माण हो सकता है।

लखनऊ, 24 जुलाई, 2025 दैनिक जागरण

विशेष बैक पेपर परीक्षाएं दो से

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने विशेष बैक पेपर परीक्षाओं की तिथि जारी कर दी। यह परीक्षाएं दो से आठ अगस्त तक आयोजित की जाएंगी। ऐसे छात्र-छात्राएं जो इन परीक्षाओं में शामिल होना चाहते हैं, वे परीक्षा विभाग से संपर्क करके विस्तृत जानकारी ले सकते हैं। वहीं, विश्वविद्यालय ने पीएच .डी कोर्स वर्क परीक्षा के लिए फार्म भरने की तिथि भी तय कर दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार सभी शोधार्थियों को निर्धारित तिथि के अंदर आवेदन पत्र भरकर संबंधित विभाग में जमा करना अनिवार्य है। कोर्स वर्क परीक्षा पांच से आठ अगस्त के बीच आयोजित की जाएगी। (जासं)

दैनिक भास्कर
epaper.dainikbhaskarup.com
01 Jul 2025 - E-paper lucknow 01 July 202518

केएमसी भाषा विवि में आज डॉक्टर दिवस का आयोजन

लखनऊ, ब्यूरो। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि (केएमसीएलयू), लखनऊ के फार्मेसी संकाय द्वारा डॉक्टर दिवस का आयोजन आगामी 1 जुलाई 2025 को किया जाएगा। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में प्रातः 11:00 बजे से आरंभ होगा। कुलपति प्रो. अजय तनेजा (मुख्य संरक्षक) के मार्गदर्शन में तथा प्रो. शालिनी त्रिपाठी, निदेशक, फार्मेसी संकाय के संयोजन में यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर सम्मान समारोह और हेल्थ कैंप का आयोजन किया जाएगा, जिसमें चिकित्सकों के योगदान को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की थीम उस प्रसिद्ध कथन को सार्थक करती है 'जहाँ चिकित्सा कला से प्रेम होता है, वहाँ मानवता से भी प्रेम होता है'। विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं से इस आयोजन में सहभागी बनने का आह्वान किया गया है।

दिया।इस दौरान स्काउट-गाइड सदस्यों रखने की अपील की गयी। इस अवसर अन्य स्काउट-गाइड उपस्थित थे।

इंफिलिबनेट और भाषा विवि के बीच एमओयू

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएयू) के अटल बिहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर में ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और देश के प्रतिष्ठित डिजिटल ज्ञान केंद्र इंफिलिबनेट के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह करार राज्यपाल की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

इस एमओयू के माध्यम से भाषा विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों को इंफिलिबनेट के माध्यम से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय ई-संसाधनों, शोध डाटाबेस, ई-लाइब्रेरी और तकनीकी प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं प्राप्त होंगी। यह करार राष्ट्रीय शैक्षणिक डिजिटल मिशन से जुड़ाव को और सशक्त करेगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि यह समझौता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला कदम है। उन्होंने इंफिलिबनेट के साथ हुए सहयोग को डिजिटल शिक्षण एवं शोध नवाचार के क्षेत्र में मील का पत्थर बताते हुए कुलाधिपति के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

प्रो. तनेजा ने कहा कि आनंदीबेन पटेल का विजन, नेतृत्व और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता ही इस ऐतिहासिक पहल के पीछे की प्रेरणाशक्ति रही है। उनके आशीर्वाद और मार्गदर्शन में भाषा विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है।

इंफिलिबनेट के निदेशक प्रो. देविका मदल्ली ने एमओयू की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए इसे एक प्रभावशाली साझेदारी बताया, जो शोध और शिक्षण में नए आयाम स्थापित करेगी।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ महेश कुमार सहित वरिष्ठ शिक्षक एवं शिक्षा क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान

केएमसी: पीएचडी की 100 सीटों पर आए 409 आवेदन

लखनऊ, संवाददाता। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में भारी संख्या में अभ्यर्थियों ने रुचि दिखाई है। एक सीट पर चार आवेदकों ने दावेदारी की है। सत्र 2025-26 के लिए पीएचडी की कुल 100 सीटों पर 409 आवेदन आए हैं। प्रवक्ता डॉ. रुचिता सुजय चौधरी ने बताया कि बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और उर्दू में सर्वाधिक अवेदन प्राप्त हुए हैं। बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की 14 सीटों पर 55 और उर्दू की 12 सीटों पर 21 अभ्यर्थियों ने फॉर्म भरे हैं। एजुकेशन की एक सीट पर आठ, पत्रकारिता एवं जनसंचार की एक सीट पर सात आवेदन मिले हैं।

प्रवेश परीक्षा एक अगस्त को

पीएचडी दाखिले के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिया गया है। आधिकारिक वेबसाइच से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। पीएचडी की प्रवेश परीक्षा एक अगस्त को दोपहर 02:30 बजे से परिसर में होनी है।

“ नैक मूल्यांकन, फैकल्टी का बढ़ना और सुविधाओं में लगातार बढ़ोतरी से शोधार्थियों और विद्यार्थियों की रुचि भाषा विवि के प्रति बढ़ी है। -प्रो. अजय तनेजा

कुलपति केएमसी भाषा विवि

نوجوان نسل کو اپنے ہیروز کی قربانیوں سے واقف کرانے کی ضرورت: پروفیسر اجے تنیجا

خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں قومی سیمینار کا انعقاد

فوج کی عظیم قربانیاں

" یوم فتح کارگل نہ صرف ہماری فوج کی عظیم قربانیوں کی یاد دلاتا ہے بلکہ یہ دن ہمیں اجتماعی سطح پر اپنی قومی ذمہ داریوں کو یاد دلانے کا بھی موقع فراہم کرتا ہے اور لینگویج یونیورسٹی اپنے طلبہ میں نہ صرف تعلیمی قابلیت بلکہ قومی شعور اور خدمت خلق کا جذبہ بیدار کرنے کے لیے پرعزم ہے۔ "

لکھنؤ (قومی بھارت) کارگل فتح ہفتہ کے موقع پر ملک بھر میں منعقد کیے جارہے مختلف پروگراموں کے سلسلے میں خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں ایک قومی سیمینار "پنچ تبدیلی کے ذریعے سماجی تبدیلی" کے موضوع پر منعقد کیا گیا۔ اس اہم علمی و فکری پروگرام کا اہتمام یونیورسٹی کی انتظامی عمارت میں کیا گیا۔ اس موقع پر وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے صدارت کرتے ہوئے سیمینار کے موضوع کی گہرائی اور قومی اہمیت پر روشنی ڈالتے ہوئے انہوں نے کہا کہ یوم فتح کارگل نہ صرف ہماری فوج کی عظیم قربانیوں کی یاد دلاتا ہے بلکہ یہ دن ہمیں اجتماعی سطح پر اپنی قومی ذمہ داریوں کو یاد دلانے کا بھی موقع فراہم کرتا ہے اور لینگویج یونیورسٹی اپنے طلبہ میں نہ صرف تعلیمی قابلیت بلکہ قومی شعور اور خدمت خلق کا جذبہ بیدار کرنے کے لیے پرعزم ہے۔ پنچ پریورتن جیسے نظریات دراصل نئی نسل کے لیے رہنمائی کا ایک جامع خاکہ ہیں۔ خاص طور پر کارگل جیسے تاریخی موقع پر اس بات کی ضرورت ہے کہ ہم اپنی نوجوان نسل کو اپنے ہیروز کی قربانیوں سے واقف کرائیں اور انہیں عملی اقدامات کے لیے تیار کریں۔

اس سیمینار کے مہمان خصوصی ریٹائرڈ کرنل بی ایس تومر نے کارگل وجے ہفتہ کی اہمیت پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ ملک کی سلامتی پر ہمیں اپنے فوجیوں پر مکمل اعتماد ہے۔ اس کے ساتھ ہی ٹیک گلیش اگنی ہوتری نے اپنی فوجی زندگی کی یادیں تازہ کرتے ہوئے نوجوانوں کو قوم کے لیے خود کو وقف کرنے کا پیغام دیا۔ اسی تسلسل میں صوبیدار کتا سنگھ نے بھی ایک سپاہی کے طور پر اپنے جذباتی تجربات سامعین سے شیئر کیے۔ سیمینار کے کلیدی مقرر نے اپنی بصیرت افروز تقریر میں شہید فوجیوں کو خراج عقیدت پیش کرتے ہوئے (پنچ پریورتن) پانچ تبدیلیوں کے تصور کی وضاحت کی۔ انہوں نے کہا کہ پنچ پریورتن محض ایک نظریہ نہیں بلکہ معاشرتی شعور اور قومی تعمیر کے لیے ایک عملی لائحہ عمل ہے، جس کے تحت پانچ اہم ستونوں پر عمل ضروری ہے۔

انہوں نے خاندانی روشن خیالی، سماجی ہم آہنگی، ماحولیاتی تحفظ، سودیشی سماج اور قوم کی تعمیر پر زور دیتے ہوئے یہ بھی کہا کہ ان پانچ نکات کو صرف تقریبات تک محدود نہ رکھا جائے بلکہ انہیں نچلی سطح پر پائیدار سماجی تبدیلی کے لیے سال بھر نافذ العمل رکھا جائے۔ سیمینار کی نظامت اور تعارفی کلمات ڈاکٹر رشمی مشرا نے ادا کیے اور شکریے کی رسم لیفٹیننٹ ڈاکٹر بشریٰ الویرا نے انجام دی۔

...दार में मुंशी प्रेमचंद साहित्य ...मान बदल चुके थे।

तथा एपी व्यास, एजीएम - टीएचडीसी लखनऊ द्वारा भी विचार साझा किए गए। इसके बाद रेड

के प्रति जागरूकता बढ़ाई और नारी सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक संदेश प्रेषित किया।

...ीदास

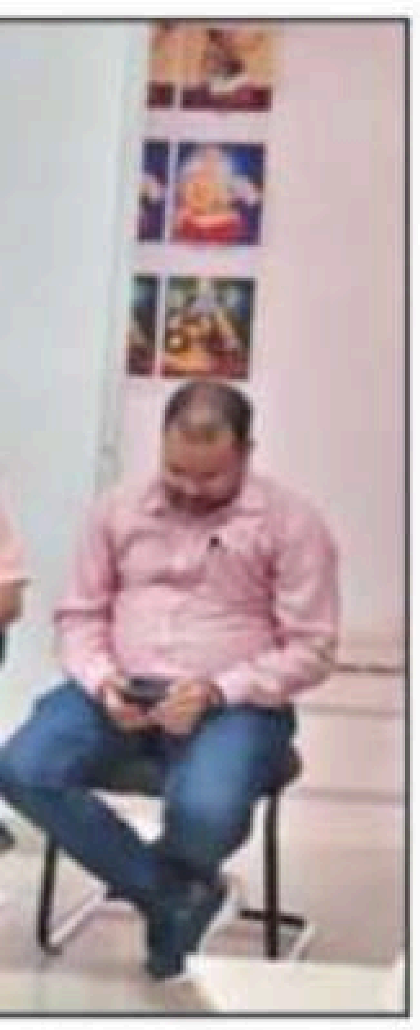

...किए। कार्यक्रम में ...व ने तुलसी की ... विषय पर ... प्रस्तुत किया। ...डॉ. योगेंद्र कुमार ...यवाद ज्ञापन डॉ. ... दिया गया। इस ...न विभागों के ...सिंह, डॉ. जिया ...भाग के शोधार्थी ...श कुमार समेत ...ी उपस्थित रहे।

प्रो. अजय तनेजा ने रखा तकनीक और भाषा शिक्षा के समन्वय का दृष्टिकोण

विशेष संवाददाता (vol)

- एनईपी-2020 की पांचवीं वर्षगांठ पर आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम में दी विशेषज्ञ उपस्थिति

लखनऊ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम (एबीएसएस-2025) में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने प्रभावशाली सहभागिता की। इस अवसर पर प्रो. तनेजा ने तकनीक और भाषा शिक्षा के समन्वय विषय पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शिक्षण-पद्धतियों, अनुसंधान और भाषा के माध्यम से हमारी सोच और दृष्टिकोण को प्रभावित कर रहा है। एनईपी-2020 एक

दूरदर्शी दस्तावेज है, जो इस परिवर्तन को दिशा देता है।

कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ देश भर से कुलपति, शिक्षाविद, नीति-निमार्ता एवं नवाचार से जुड़े प्रतिनिधि भी सम्मिलित हुए। एबीएसएस-2025 के अंतर्गत आयोजित चार विशेषज्ञ सत्रों में एआई, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा और समावेशी शिक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन हुआ।

यह आयोजन न केवल एनईपी-2020 की उपलब्धियों की समीक्षा का अवसर बना, बल्कि आने वाले वर्षों में भारतीय शिक्षा को अधिक तकनीक-संपन्न, समकालीन और सर्वसमावेशी बनाने की दिशा में गंभीर विमर्श भी हुआ। प्रो. अजय तनेजा की सहभागिता ने भाषा विश्वविद्यालय की विचारशील उपस्थिति को राष्ट्रीय मंच पर सशक्त रूप से स्थापित किया।

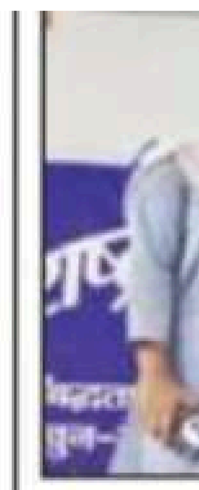

लख... तत्वावध... उद्बोधन... माणिक... नाम के... छात्राओं... में जानक... के उपन्य... बताया क... प्रेमचंद व... है कि बच...

पुनव...

लख... अभ्यर्थि... बीकॉम... बीवीए, ... में आनल... जिसकी... 12 अग... अभ्यर्थि... (बीए, ... बीकॉम, ... (लेटरल... गया था, ... करते हु...

न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

भाषा विश्वविद्यालय में तुलसीदास जयंती एवं प्रेमचंद स्मृति दिवस पर विचार गोष्ठी संपन्न

बीकेटी लखनऊ। राजधानी केभाषा विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा गोस्वामी तुलसीदास जयंती और प्रेमचंद स्मृति दिवस के अवसर पर एक विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तुलसीदास की साहित्यिक, सामाजिक और राजनीतिक चेतना पर सारगर्भित चर्चा हुई, साथ ही महान कथाकार प्रेमचंद को भी भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभाग की प्रभारी डॉ. जहां आर. जैदी ने की, जबकि कुलानुशासक डॉ. नीरज शुक्ला बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहीं। डॉ. शुक्ला ने अपने संबोधन में तुलसीदास द्वारा प्रतिपादित रामराज्य की अवधारणा को वर्तमान समय में प्रासंगिक बताया।डॉ. हैदर मेहंदी ने तुलसीदास की समाजशास्त्रीय दृष्टि पर प्रकाश डाला, वहीं विधि विभागाध्यक्ष डॉ. पीयूष त्रिवेदी ने तुलसी साहित्य में निहित भारतीय दृष्टिकोण को विवेचित किया। डॉ. अंशुल पांडेय ने किशोरों और पारिवारिक जीवन में तुलसी की उपयोगिता को रेखांकित किया।डॉ. राजकुमार सिंह ने तुलसी और वाल्मीकि रामायण के अंतर के माध्यम से तुलसी की जनवादी चेतना को स्पष्ट किया, जबकि डॉ. विपिन कुमार सिंह ने तुलसी की राजनीतिक दृष्टि पर विचार रखे। विभाग की शिक्षिका डॉ. आराधना स्थान ने गणेश वंदना के माध्यम से तुलसी की समन्वयवादी दृष्टि का विश्लेषण किया।इस अवसर पर छात्र अविष्कार यादव ने तुलसी की सामाजिक चेतना विषय पर प्रभावशाली वक्तव्य दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. योगेंद्र कुमार सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जहां आर. जैदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकगण–प्रशांत सिंह, डॉ. जिया जाफरी, तथा शोधार्थी विपिन कुमार, रजनीश कुमार समेत बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। आयोजन में साहित्यिक सौंदर्य और सामाजिक विमर्श का अद्भुत समागम देखने को मिला।

अस्थायी शिक्षकों ने वेतनवृद्धि पर जताई कृतज्ञता

■ कुलपति एवं विश्वविद्यालय प्रशासन को दिया धन्यवाद

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में कार्यरत अस्थायी सहायक आचार्यों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय सामने आया है। कुलपति प्रो. अजय तनेजा द्वारा अस्थायी सहायक आचार्यों की वेतनवृद्धि को स्वीकृति दिए जाने पर शिक्षकों में प्रसन्नता की लहर है। इस निर्णय के लिए समस्त अस्थायी सहायक आचार्यों ने कुलपति प्रो. अजय तनेजा, कुलसचिव डॉ. महेश कुमार एवं वित्त अधिकारी साजिद आज़मी से भेंट कर सामूहिक रूप से आज धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने सभी शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा, शिक्षक विश्वविद्यालय की आत्मा होते हैं। उनकी संतुष्टि और सम्मान हमारी प्राथमिकता है। अस्थायी सहायक आचार्यों की मेहनत और योगदान को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

इस अवसर पर उपस्थित कुलसचिव डॉ. महेश कुमार ने विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ़ से कहा , हम सदैव प्रयासरत हैं कि सभी शिक्षकों को समान अवसर और प्रोत्साहन प्राप्त हो। वेतनवृद्धि का यह निर्णय उस दिशा में एक ठोस कदम है। साथ ही वित्त अधिकारी साजिद आज़मी ने सभी शिक्षकों से कहा, यह निर्णय शिक्षकों की सेवाओं को मान्यता देने और उन्हें प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। हमने इसे समयबद्ध ढंग से क्रियान्वित करने का पूर्ण प्रयास किया है। धन्यवाद ज्ञापन के इस अवसर पर डॉ. राजकुमार, डॉ. विभा सिंह, डॉ. इमरान के साथ-साथ डॉ. आयुष साही, डॉ. चेतना, डॉ. कीर्तिमा आदि शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। सभी ने विश्वविद्यालय प्रशासन की इस सकारात्मक पहल की सराहना की और विश्वास जताया कि भविष्य में भी शिक्षक कल्याण को प्राथमिकता दी जाती रहेगी।

‘माँ सिर्फ जीवन ही नहीं देती बल्कि जीना भी सिखाती है’

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ द्वारा पर्यावरण संरक्षण और मातृत्व के सम्मान में आज एक अनोखा और प्रेरणादायक अभियान ‘एक पेड़ मां के नाम’ आरंभ किया गया। इस पहल के तहत लोगों को अपनी मां के सम्मान में एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक बक्शी का तालाब योगेश शुक्ल के करकमलों द्वारा किया गया। उन्होंने इस अभियान की सराहना करते हुए कहा, एक पेड़ न केवल प्रकृति की सेवा है, बल्कि यह हमारी मां के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक भी बनता है।

‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को एक व्यक्ति गत और भावनात्मक पहलू से जोड़ना है ताकि समाज में अधिक से अधिक लोग वृक्षारोपण के लिए प्रेरित हों। मां सिर्फ जीवन देती हैं, बल्कि जीवन जीना भी सिखाती हैं। इसी भावना के साथ कुलपति प्रो अजय तनेजा द्वारा भी ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल पर्यावरण की रक्षा करना है, बल्कि मां के प्रति अपनी भावनाओं और सम्मान को प्रकृति से जोड़कर अभिव्यक्त करना भी है।

भाषा विवि में `एक पेड़ मां के नाम’ अभियान का भावनात्मक शुभारंभ

इस अवसर पर भाषा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ महेश कुमार ने कहा कि मां और वृक्ष दोनों जीवनदायिनी हैं। यह पहल दोनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक सुंदर माध्यम है। इस अवसर पर सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। सभी ने संकल्प लिया कि वे अपनी मां के नाम एक पेड़ अवश्य लगाएंगे और उसकी देखभाल करेंगे। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने पेड़-पौधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस तरह की पहल न केवल हरियाली बढ़ाएगी, बल्कि लोगों को भावनात्मक रूप से भी पर्यावरण से जोड़ेगी।